# BED II- PE 4
# अधिगम एवं शिक्षण
# Learning and Teaching


| खण्ड 1 | | |
|---|---|---|
| **इकाई सं०** | **इकाई का नाम** | **पृष्ठ सं०** |
| 1. | अधिगम की विमाएं | 2-25 |
| 2. | अधिगम एक संज्ञानात्मक प्रक्रिया के रूप में, पियाजे के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत का कक्षा निहितार्थ, ब्रूनर के संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत का कक्षा निहितार्थ | 26-45 |
| 3. | अधिगम सामाजिक-सांस्कृतिक प्रक्रिया के रूप में | 46-59 |
| 4. | कक्षा अध्ययन के निहितार्थ व्यवहारवादी सिद्धान्तों का तार्किक उपयोग | 60-79 |
| | **खण्ड 2** | |
| 1. | अधिगमकर्ता के रूप में प्रगतिशील या वृद्धिमान एवं विकासशील मानव | 81-107 |
| 2. | वृद्धि एवं विकास के विभिन्न पक्ष- शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, बौद्धिक, सामाजिक, संवेगात्मक तथा नैतिक | 108-130 |
| 3. | अधिगमकर्ता एवं अधिगम : अधिगम के विभिन्न स्तरों पर जिज्ञासा, रुचि, सक्रिय-सहभागिता एवं परिपृच्छा (जाँच-पड़ताल) के महत्त्व की परिचर्चा | 131-144 |
| | **खण्ड 3** | |
| 1. | अधिगम को केवल विद्यालय तक सीमित रखने के नुकसान और अधिगम को केवल विद्यालय की जिम्मेदारी ठरहाने के दुष्प्रभाव | 146-158 |
| 2. | विद्यालय और विद्यालय के बाहर सीखने की अवधारणा | 159-172 |
| 3. | विद्यालय और विद्यालय के बाहर सीखने की अवधारणा में सम्बन्ध | 173-183 |
| | **खण्ड 4** | |
| 1. | शिक्षण: एक जटिल गतिविधि | 185-195 |
| 2. | शिक्षण का मूल्यों पर प्रभाव, शिक्षक और शिक्षार्थियों के बीच निजी सम्बन्ध | 196-211 |
| 3. | शिक्षार्थियों के आपस में सम्बन्ध,स्वायत्तता,आत्मसम्मान,स्वतंत्रता: शिक्षार्थियों द्वारा स्वयं अनुभव | 212-227 |
| 4. | शिक्षण एक व्यवसाय | 228-253 |